सिंगोली को ब्रह्माकुमारीज़ का अनमोल तोहफा

'राजयोग साधना केन्द्र' का शुभारंभ भव्य आयोजन के साथ

कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. सुरेन्द्र। मंचासीन हैं उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सविता, पूर्व विधायक दुलीचन्द जैन, नगर परिषद अध्यक्षा सुनिता राजकुमार तथा अन्य गणमान्य अतिथि। सभा में बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई बहनें तथा शहरवासी।

सिंगोली-नीमच(म.प्र.)। वर्तमान परिदृश्य में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को हर परिस्थिति में अपने आपको समायोजित कर सरल, सहज और खुशहाल जीवन जीने का विश्वास प्रदान करता है। उक्त विचार नीमच जिले के सिंगोली तहसील में राजयोग साधना केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर संस्थान की उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सविता ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सिंगोली के लिए राजयोग साधना केन्द्र एक अनमोल ईश्वरीय वरदान सिद्ध होगा। पूर्व विधायक व जैन समाज के एक सशक्त स्तंभ दुलीचन्द जैन ने कहा कि सिंगोली के लिए ये परम सौभाग्य है कि इतने छोटे स्थान पर इतनी विशाल अन्तर्राष्ट्रीय संस्था ब्रह्माकुमारीज़ ने तनाव मुक्ति के लिए ये केन्द्र स्थापित किया। इतनी शालीनता से ओत-प्रोत आयोजन सिंगोली में मैंने पहली बार देखा है तथा यह चमत्कार देखकर अभिभूत हूँ कि 26 वर्षों से ब्रेन ट्यूमर झेल रहे ब्र.कु. सुरेन्द्र खुशहाल रूप में इस मंच का संचालन कर रहे हैं। ये अवश्य ही राजयोग की शक्ति की कमाल है। नगर परिषद सिंगोली की अध्यक्षा सुनिता राजकुमार मेहता ने कहा कि मैं स्वयं यहाँ आकर राजयोग साधना का लाभ लूंगी साथ ही नगरवासियों से भी आह्वान करूंगी कि वे इस सुअवसर का लाभ लें। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों समेत प्रकाश गांधी, डॉ. सरफराज़ हुसैन, हीरालाल धाकड़, आदि अनेक प्रमुख लोगों जिनमें व्यापारी, पत्रकार, चिकित्सक, समाजसेवी, किसान, शिक्षाविद आदि बुद्धिजीवी वर्ग ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम की सफलता में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान विप्र समाज के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति ने गुटखे का त्याग कर शपथ ली कि आजीवन नशामुक्त रहकर और एक उच्च स्तरीय राजयोगी साधक बनकर समाज को सकारात्मक संदेश दूंगा। अंत में आभार प्रदर्शन पूर्व शिक्षा अधिकारी छोगालाल सगीतला ने किया। आरंभ में नगर में लगभग एक किलोमीटर लम्बी विशाल वाहन रैली निकाली गई जिसके द्वारा राजयोगी साधकों ने शिवध्वज लहराते हुए नगर वासियों को शांति एवं सद्भावना का संदेश दिया।

'राजयोग' सभी प्रश्नों का एकमात्र हल

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. अनुज। साथ हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा, ब्र.कु. रमा तथा ब्र.कु. मीरा।

दिल्ली-डिफेन्स कॉलोनी। 'राजयोग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी जीवन' विषय को लेकर डिफेन्स कॉलोनी सेवाकेन्द्र द्वारा साउथ एक्स पार्ट-1 के कम्युनिटी हॉल में दो घंटे का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की रूपरेखा थोड़ी अलग प्रकार की थी। इसमें श्रोताओं के समक्ष कुछ प्रश्नोत्तरी रखी गई जिसमें जीवन से सम्बंधित सभी पहलुओं को छुआ गया। उदाहरण के लिए क्या इस दुनिया में आत्मा जैसी कोई चीज़ एक्ज़ीस्ट करती है? क्या पुरुष और स्त्री की आत्मा एक जैसी होती है या अलग होती है? दूसरा प्रश्न था कि कैसे पता चलेगा कि कोई व्यक्ति बॉडी कॉन्शियस है या सोल कॉन्शियस? रायजोग क्या बड़ी बड़ी बीमारियों के उपचार के लिए उपयोगी है? आदि आदि प्रश्न पूछे गये। इसी प्रकार कुछ कर्म से सम्बंधित प्रश्न भी इसमें शामिल थे। इस रूपरेखा द्वारा श्रोताओं के अंदर एक नया उमंग देखने को मिला, क्योंकि उनका उत्तर घर गृहस्थ में रहने वाले ही दे रहे थे। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा ने जीवनयात्रा में साक्षी होकर कैसे रहें, इस प्रश्न को बहुत अच्छे से श्रोताओं को समझाया। साथ ही साथ ब्र.कु. रमा ने भी जीवन का अल्टीमेट गोल क्या होना चाहिए, उसपर बहुत सुंदर उत्तर दिया। कार्यक्रम नव प्रेरणा महिला संस्थान के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनमानस अपेक्षा से अधिक उपस्थित हुए।

भोपाल में ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं की स्वर्ण जयंती

भोपाल-म.प्र.। यदि आप अपनी आत्मा की आवाज़ सुनें और फॉलो करें तो सारा प्रशासन बहुत अच्छी तरह चल सकता है। जब आप अपने प्राकृतिक स्वभाव के विरुद्ध कार्य करते हैं तो अंदर की शांति भंग होती है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा दिल्ली से आईं ब्र.कु. आशा दीदी ने राजयोग भवन अरेरा कॉलोनी में 'स्वर्णिम श्रेष्ठ प्रशासन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय प्रशासक सम्मेलन में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि स्वर्णिम दुनिया का प्रशासन पारिवारिक रूप का होता है। सारी प्रशासनिक प्रणाली परिवार के रूप से चलती है। स्वर्णिम दुनिया में ईमानदारी एवं पारदर्शिता होती है। आपके अंतर्गत कार्य करने वाले लोगों को पैसे से ज़्यादा प्यार, मोहब्बत एवं अपनापन चाहिए होता है। यही बातें उनके अंदर आपके प्रति विश्वास पैदा करती हैं। अतः प्रशासक जागरुक भी रहें एवं विश्वास भी पैदा करें। दीदी ने आगे बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने यह कभी नहीं सोचा कि यह व्यक्ति फालतू है या यह किसी काम का नहीं है। बल्कि उन्होंने उसके गुणों को देखकर कार्य में लगाया। बाबा ने एक्सेप्ट और एप्रिशियेट करना ये बातें सिखाई। स्वर्णिम प्रशासन के लिए असली परिवर्तन प्रशासन में नहीं बल्कि प्रशासक की सोच एवं नज़रिए में लाने की ज़रूरत है। गोधरा से आये प्रशासक प्रभाग के सचिव ब्र.कु. शैलेष ने संस्था एवं प्रभाग के बारे में विस्तार से बताया। म.प्र. विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि वही स्वर्णिम प्रशासन है जहाँ प्रशासन की आवश्यकता ही न पड़े। भीड़ में भी जो शांत रह सके वही सच्चा प्रशासक है। सच्चा प्रशासक वह जिसमें निर्लिप्तता का गुण हो। सच्चे प्रशासक में चुनौतियों का सामना करने का साहस होना चाहिए। सम्मेलन में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के प्रबंध निदेशक डॉ. संजय गोयल आई.ए.एस. ने कहा कि यदि प्रशासक कुछ समय निकालकर अपनी कमियां निकाले तो प्रशासन में सुधार आएगा।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. अवधेश दीदी, म.प्र. विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह, एम.पी.ई.बी. भोपाल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संजय गोयल, आई.ए.एस. सीताराम मीणा, ब्र.कु. शैलेष, ब्र.कु. डॉ. रीना तथा अन्य।

- भोपाल में ब्रह्माकुमारीज़ ने अपनी ईश्वरीय सेवाओं के पूरे किये सफलतम पचास वर्ष
- इस स्वर्णिम अवसर पर हुआ एक सौ आठ कार्यक्रमों का आयोजन
- देश भर से आये अन्यानेक विभागों के प्रशासक

सम्मेलन में सीताराम मीणा,आई.ए.एस. उत्तर प्रदेश, राकेश दुबे,निदेशक,आपदा प्रबंधन, वी.के. शर्मा,अहमदाबाद, ब्र.कु. वीणा, सिरसी कर्नाटक आदि ने भी स्वर्णिम प्रशासन हेतु अपने विचार व्यक्त किये। भोपाल ज़ोन की निदेशिका एवं ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. अवधेश दीदी ने बताया कि पाँच दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव के अंतर्गत भोपाल के विभिन्न संस्थानों में 108 से भी अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्र.कु. उर्मिल,क्षेत्रीय निदेशिका,दिल्ली ज़ोन ने सभी उपस्थितों को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। भोपाल गुलमोहर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना ने सभी का स्वागत किया साथ ही कुशल मंच संचालन किया।

श्रेष्ठ जीवनशैली और उच्च मानसिकता से प्राप्त होगा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

उज्जैन। वेदनगर स्थित ब्रह्माकुमारी संस्था के शिवदर्शनधाम में चार दिवसीय 'मधुर मधुमेह कैम्प' का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग सत्तर लोगों ने भाग लिया। इस मधुर मधुमेह कैम्प के प्रशिक्षक माउण्ट आबू से आये डॉ. वल्सलन नायर ने कहा कि हमारी बीमारी, हमारी जीवनशैली और हमारी मानसिकता के ऊपर निर्भर करती है। भारतीय शास्त्रों के अनुरूप जब हमारे आहार, विचार, विहार और व्यवहार ठीक रहेंगे तभी हम सम्पूर्ण स्वस्थता को प्राप्त करेंगे।

उनके निर्देशानुसार राजयोग की अनुभूति एवं शुद्ध आहार के माध्यम से 12 घंटे में अनेक लोगों के शुगर नियंत्रित हुए। कैम्प के पहले दिन में ही प्रतिभागियों में सकारात्मक बदलाव देखने में आया। यह आन्तरिक सकारात्मक परिवर्तन शुगर को लम्बे अन्तराल तक नियंत्रित रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दीप प्रज्वलित करते हुए पूर्व ऊर्जा मंत्री पारस चन्द्र जैन, डॉ. नायर, ब्र.कु. उषा व अन्य।

- हमारी बीमारी, जीवनशैली और मानसिकता पर निर्भर
- जब सम्पूर्ण स्वस्थ होंगे, तभी सुखी रहेंगे
- भारतीय पारंपरिक जीवनशैली में शुद्धता महत्वपूर्ण

ब्र.कु. उषा ने सफल स्वास्थ्य की शुभकामनायें देते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया। जब हम सम्पूर्ण स्वस्थ होंगे तभी सुखी रह सकते हैं। पूर्व ऊर्जा मंत्री पारस चन्द्र जैन ने उपवास का महत्व बताते हुए भारतीय पारम्परिक जीवन शैली में भी शुद्धता की महत्ता के बारे में बताया। कैम्प के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने शुगर के पॉज़ीटिव रिज़ल्ट को लेकर अपने अनुभव सभी के साथ साझा किये।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd May 2019
संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु. करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी. प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।